नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है. संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन रिपोर्ट 2025 में भारत को वन क्षेत्र में विश्व में नौवां और वार्षिक वन वृद्धि में तीसरा स्थान मिला है. यह उपलब्धि केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि देश की पर्यावरणीय सोच और कार्यनीतियों की सफलता का प्रतीक है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ग्रीन इंडिया' और 'मिशन लाइफ' जैसे कार्यक्रमों ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है. यह समझना आवश्यक है कि विकास का मतलब केवल औद्योगिक उन्नति नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की संस्कृति भी है. भारत ने अपने जलवायु संकल्प 'पंचामृत' से लेकर 'मिशन लाइफ' तक कई पहलें शुरू कर देश और दुनिया को यह संदेश दिया है कि पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए.

# वन क्षेत्र के विस्तार के प्रयास जारी रहें

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस सफलता को केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि आम जनता की सहभागिता का परिणाम बताया है. 'एक पेड़ मां के नाम', 'मिशन अमृत सरोवर', 'नमामि गंगे' और विभिन्न राज्यों के वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण चेतना को मजबूत करने में मददगार साबित हुए हैं. यह हरियाली केवल स्थलीय बदलाव नहीं, बल्कि देश के आत्मसम्मान का प्रतीक बन गई है. एफएओ की रिपोर्ट में यह भी खास बात सामने आई है कि एशिया ही एकमात्र महाद्वीप है जहां 1990 से 2025 के बीच वन क्षेत्र लगातार बढ़ा है, जिसमें चीन और भारत का योगदान सबसे अधिक है. भारत में प्रति वर्ष करीब 1.91 लाख हेक्टेयर वनवृद्धि यह दर्शाती है कि देश ने न केवल पेड़ लगाए हैं, बल्कि वन प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक और सामाजिक उपाय भी अपनाए हैं. स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वन पंचायतों की सक्रिय भूमिका से इन प्रयासों को मजबूती मिली है. फिर भी, चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं.

तेज़ गति से बढ़ता शहरीकरण और औद्योगिकीकरण पर्यावरण संरक्षण में रुकावट बन सकते हैं. इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं. पहला, स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण सुनिश्चित करना जरूरी है. विदेशी वृक्षों की बजाय स्थानीय और पारिस्थितिकीय रूप से उपयुक्त प्रजातियों का रोपण जैव विविधता बनाए रखने और जल संतुलन के लिए अहम होगा. दूसरा, शहरों में अर्बन फॉरेस्ट या शहरी वन क्षेत्र की स्थापना की जाए जिससे प्रदूषण और हीट आइलैंड प्रभाव कम हो. तीसरा, हर पंचायत और विद्यालय को कम से कम एक 'ग्रीन जोन' विकसित करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, जो पर्यावरण शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी का उदाहरण बने. चौथा, सैटेलाइट मैपिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों से वनों की हालत पर लगातार नजर रखी जानी चाहिए. अंत में, पानी और पेड़ के संरक्षण को एक साथ जोड़कर एक एकीकृत पर्यावरण नीति बनाई जाए. आज जब पूरी दुनिया जलवायु संकट से जूझ रही है, तब भारत की यह उपलब्धि एक प्रेरणा बनकर उभरी है. यह सिर्फ वृक्षारोपण का रिकॉर्ड नहीं, बल्कि पर्यावरणीय आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम है.

प्रधानमंत्री मोदी का यह 'ग्रीन विजन' भारत ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए उम्मीद की किरण है. क्योंकि असली विकास तभी संभव है जब हम हर पेड़ में जीवन और हर हरियाली में विकास की छाया देखें. यही भारत का सच्चा ग्रीन संकल्प है.

# बिहार चुनाव से तय होगी भविष्य की राजनीति

श्याम यादव

**इस** बार के बिहार विधानसभा चुनाव का असर केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा. यह चुनाव आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा तय करेगा. जिस तरह गंगा की धार बिहार से निकलकर पूरे देश की ज़मीन को सींचती है, उसी तरह बिहार की राजनीतिक बयार भी दिल्ली की सत्ता तक पहुँचती है. इतिहास गवाह है कि बिहार के जनादेश ने हमेशा राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों को नया रूप दिया है, चाहे वह जयप्रकाश आंदोलन रहा हो या मंडल राजनीति का उदय. इसलिए इस बार के बिहार चुनाव को महज़ एक राज्यीय चुनाव मानना भूल होगी. यह चुनाव उस राजनीतिक मानसून की तरह है, जिसकी पहली फुहार पूरे देश की सियासत को भिगोने वाली है.

> बिहार विधानसभा के चुनाव इस बार सिर्फ राज्य तक सीमित नहीं होंगे. इसके नतीजे देश की राजनीति को कई तरह से प्रभावित करेंगे. बिहार के नतीजों से इस बात का संकेत भी मिलेगा कि भविष्य की देश की राजनीति किस दिशा में मोड़ लेगी. यदि बिहार में एनडीए कमजोर पड़ा, तो अगले दो सालों में चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी इसका असर पड़ना तय है!

बिहार में भारतीय जनता पार्टी यदि एक बार फिर सत्ता बचाने में सफल रहती है, तो यह नरेंद्र मोदी के करिश्मे की पुनर्पुष्टि होगी. इससे भाजपा को यह भरोसा मिलेगा कि जनाधार अब भी सुरक्षित है और विपक्ष की एकजुटता उसे निर्णायक चुनौती नहीं दे सकी. यह संदेश न केवल दिल्ली, बल्कि हर उस राज्य तक जाएगा, जहाँ अगले दो वर्षों में विधानसभा चुनाव होने हैं. लेकिन, यदि बिहार में सत्ता का पलड़ा विपक्ष की ओर झुक गया, तो यह भाजपा के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक चेतावनी होगी. विपक्षी दलों के लिए बिहार में जीत का अर्थ होगा कि जनता अब एक विकल्प चाहती है. ऐसा हुआ तो इसका सीधा असर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में दिखेगा, जहाँ 2027 और 2028 में चुनाव होने हैं.

उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रयोगशाला है जो बिहार की हवा से सबसे पहले प्रभावित होता है. अगर बिहार में एनडीए कमजोर पड़ता है, तो समाजवादी पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी. पहले से ही समाजवादी पार्टी का ग्राफ बढ़ता दिख रहा है और वह पौने दो सौ सीटों के करीब पहुँचने की स्थिति में है. अखिलेश यादव को बिहार की विपक्षी सफलता से यह भरोसा मिलेगा कि जनभावना बदलाव चाह रही है. कांग्रेस की स्थिति उत्तर प्रदेश में इस समय कमजोर है. उसके पास महज़ दो विधायक हैं. मगर राजनीति में लहरें अप्रत्याशित होती हैं. बिहार में विपक्षी बयार चली तो कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश के आसमान में भी बादल पहले से ज़्यादा पानीदार हो जाएंगे. लोग फिर से यह सोचने लगेंगे कि भाजपा का विकल्प केवल क्षेत्रीय दल नहीं, बल्कि कांग्रेस भी हो सकती है. लेकिन अगर बिहार जस-का-तस रहा या भाजपा के लिए अब से भी बेहतर नतीजे आए, तो मान लीजिए कि कांग्रेस की राह और कठिन हो जाएगी. समाजवादी पार्टी के लिए भी भाजपा के विजय अभियान को रोकना मुश्किल होगा.

उत्तराखंड की राजनीति भी उत्तर प्रदेश की छाया में चलती है. वहाँ कांग्रेस और भाजपा का मुकाबला लगभग सीधा है. पिछली बार कांग्रेस के 20 विधायक जीतकर आए थे, जबकि सांगठनिक गड़बड़ियों और नेताओं की आपसी तूतू-मैंमैं के बावजूद यह प्रदर्शन उल्लेखनीय था. अगर बिहार में विपक्षी मोर्चा मजबूती से उभरता है, तो उत्तराखंड में कांग्रेस की वापसी की संभावना ठोस हो जाएगी. यह भी ध्यान देने योग्य है कि पहाड़ी राज्यों की राजनीति भावनात्मक ज्यादा होती है. अगर बिहार जैसे बड़े राज्य में भाजपा को झटका लगा, तो उत्तराखंड के मतदाताओं में भी बदलाव का भाव जागेगा. तब वहां कांग्रेस की सीटें 20 से बढ़कर 40 के पार जाना असंभव नहीं होगा.

पंजाब में भाजपा की स्थिति अब भी नगण्य है. उसके सिर्फ़ दो विधायक हैं. आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त बहुमत हासिल किया था. लेकिन, अब जनता उस प्रदर्शन से खुश नहीं है. आप सरकार के प्रति असंतोष लगातार बढ़ रहा है. बिहार में विपक्ष की जीत का असर पंजाब पर यह होगा कि कांग्रेस, जो इस समय 16 सीटों पर है, एक बार फिर मजबूत विपक्ष के रूप में उभरेगी. अगर बिहार में विपक्ष की लहर चल पड़ी तो पंजाब में यह लहर विश्वास में बदल सकती है. 2027 के चुनाव तक कांग्रेस बहुमत के करीब पहुँच सकती है. भाजपा के लिए यहाँ कोई बड़ी संभावना नहीं है चाहे बिहार का नतीजा जो भी हो, उसकी स्थिति दो से बढ़कर आठ या बारह सीटों तक ही सिमट सकती है.

गुजरात नरेंद्र मोदी और अमित शाह की कर्मभूमि है, अब भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है. पिछले चुनाव में भाजपा ने 162 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस केवल 12 पर सिमट गई. लेकिन, राजनीति स्थायी नहीं होती. अगर बिहार में भाजपा कमजोर होती है, तो गुजरात के भीतर भी बदलाव की हलचल शुरू होगी. कांग्रेस के पास संगठन भले ही कमजोर हो, पर जनता के भीतर एक थकान का भाव बढ़ता जा रहा है. कांग्रेस यदि 2027 तक अपने संगठन को पुनर्जीवित कर पाई, तो भाजपा को 90 सीटों के नीचे धकेलने की स्थिति में आ सकती है.

## ग्वालियर चंबल डायरी

# गोवर्धन पूजा में उमड़ी भीड़ को देखकर राजनीतिक रसूख का आंकलन

हरीश दुबे

**दीपावली** के बाद गोवर्धन पूजा का महोत्सव इस बार कई राजनेताओं के लिए आस्था, श्रद्धा एवं परंपरा के निर्वाहन के साथ राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन और समाज के विभिन्न तबकों में अपनी पैठ साबित करने का सुअवसर बन गया. बजरंगी नेता पवैया और नरेंद्र सिंह को छोड़ दें तो भाजपा में कई ऐसे नए नेता उभर कर सामने आए जिन्होंने अपने घरों पर सैकड़ों समर्थकों को जोड़कर आतिशबाजी और बैंड बाजे के साथ गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का आयोजन किया. यह आयोजन देर रात तक चले. मिनिस्टर और सांसद रह चुके कुंवर पवैया तो पिछले पंद्रह वर्ष से अपने निवास सेवापथ पर धूमधाम के साथ गोवर्धन पूजा और अन्नकूट मनाते आ रहे हैं, इस बार भी उनके यहां अन्नकूट उत्सव धूमधाम से मना जिसमें हजारों लोगों की भीड़ तो जुटी ही, लगभग पूरी भाजपा वहां मौजूद रही.

उधर प्रदेश की सबसे बड़ी गौशाला लाल टिपारा ने इस बार फिर सबसे बड़े गोवर्धनजी बनाने का रिकॉर्ड रचा. यहां विधानसभा स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर खास मेहमान थे तो सांसद भारतसिंह भी इस धार्मिक जश्न में शिरकत करने पहुंचे. खास बात यह है कि कांग्रेस आम तौर पर धार्मिक कर्म कांडों से दूर रहती आई है लेकिन ग्वालियर के कांग्रेस दफ्तर के इतिहास में इस दफा पहली बार अन्नकूट उत्सव मना. संगठन चुनाव की प्रक्रिया निबटने के बाद ग्वालियर कांग्रेस की कमान नए अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के हाथों में है और वे इन दिनों शहर कांग्रेस में नए नवाचार करने में जुटे हैं. यही वजह है कि उन्होंने पार्टी के तमाम नेताओं को जोड़कर कांग्रेस भवन की छत पर जोड़कर गोवर्धन पूजा का उत्सव रखा. भाजपा व कांग्रेस के और भी तमाम नेताओं ने अपने घरों से लेकर दफ्तरों तक में ऐसे ही आयोजन रखे. अन्नकूट प्रसादी ग्रहण करने का सिलसिला रात तक चला. इन कार्यक्रमों में उमड़ने वाली भीड़ को तौलकर राजनीतिक गलियारों में मेजबान नेता के रसूख और पकड़ का अनुमान लगाया जाता रहा.

### दलित एजेंडा के जरिए 18 की कामयाबी दोहराने की कवायद

भिंड में एक दलित युवक के अपहरण, मारपीट और आरोपियों द्वारा उसे शराब पिलाए जाने की घटना ने देशभर का ध्यान खींचा तो प्रदेश कांग्रेस ने रातों रात इसे एक बड़े मुद्दे में बदलने में पूरी ताकत लगा दी. दीपावली के त्यौहार के चलते पीसीसी सदर जीतू पटवारी भिंड तो नहीं आए लेकिन भोपाल में प्रदेश कांग्रेस दफ्तर से ही वीडियो कॉलिंग कर पीड़ित युवक से न सिर्फ पूरी घटना का ब्यौरा लिया बल्कि यह भी ऐलान कर दिया कि पीड़ित दलित को यदि इंसाफ नहीं मिला तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन छेड़ सकती है.

### निकाय चुनाव करीब, संगठन की कसावट में जुटीं पार्टियां

दो बरस से भी कम समय में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियां कमर कसती नजर आ रही हैं. फिलहाल दोनों पार्टियों का जोर इस बात पर है कि बूथ, वार्ड और ब्लॉक स्तर तक पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूती दी जाए. दोनों ही पार्टियों की शहर कमान नए हाथों में हैं. अध्यक्ष तो बन गए, लेकिन दोनों ही अपनी कार्यकारिणी गठित नहीं कर सके हैं. जिला के साथ ही ब्लॉक स्तर पर भी संगठन का नया चेहरा खड़ा करना है. दोनों तरफ नेतृत्व इसी मशक्कत में उलझा हुआ है. सत्तापक्ष में निगम मंडलों की बहुप्रतीक्षित सूचियों का इंतजार किया जा रहा है ताकि सत्ता के मलाईदार ओहदे पाने से वंचित रहे जनाधार वाले चेहरों को संगठन में एडजस्ट किया जा सके. उधर गुटों और उपगुटों में बटी कांग्रेस के नेता कार्यकारिणी की प्रस्तावित सूची पर एकराय नहीं हो पा रहे हैं. चूंकि ग्राम, जनपद और जिला पंचायतों के चुनाव भी कुछेक साल के भीतर ही होना है, लिहाजा उसके लिए भी तैयारी शुरू हो गई है.

# टिकट न मिला तो आया रोना, कुर्ता फाड़ दिखाया सीना

**चुनाव** की बेला में नेता के प्राण टिकट में अटके होते हैं. वह पार्टी से टिकट पाने की उसी तरह प्रतीक्षा करता है जैसे चातक पक्षी स्वाति नक्षत्र में पड़ने वाली वर्षा की बूंद की बाट जोहता है. बिहार में ऐसी ही दिलचस्प घटना हुई. वहां राजद नेता मदन शाह ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद यादव के आवास के बाहर अपना कुर्ता फाड़ डाला. इतना ही नहीं, वह किसी जिद्दी बच्चे के समान जमीन पर लेटकर जोर-जोर से रोने लगे. वहां मौजूद लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. नेता को ऐसी नौटंकी करने या व्यर्थ का सीन क्रिएट करने की बजाय संयम रखना था. वक्त से पहले और किस्मत से ज्यादा किसी को भी नहीं मिलता. ऐसी लालसा क्यों रखना जिसके पूरी न होने पर इतना दुख हो। वैसे सभी जानते हैं कि चुनाव में टिकटों का सौदा होता है. मदन शाह ने आरोप लगाया कि राजद ने उनसे टिकट के

> *यदि नेता टिकटों की दलाली करते हैं तो भी निष्ठावान कार्यकर्ता को नमकहलाली करनी चाहिए. टिकट नहीं तो कम से कम सेवा का पुण्य तो उसे जरूर मिलेगा !*

बदले पैसे मांगे थे. जब उन्होंने रकम देने से इनकार किया तो पार्टी ने उनका टिकट काटकर डॉ. संतोष कुशवाहा को दे दिया. मदन ने कहा कि मैं वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहा हूं लेकिन मुझे क्या मिला! यह बात हर कार्यकर्ता को समझनी चाहिए कि कर्म करते रहो, फल की चिंता मत करो! दाने-दाने पे लिखा है खाने वाले का नाम, लेने वाले अनेक, देने वाला एक राम! चुनाव पैसे का खेल है. पार्टी का इंजन दौलत के ईंधन से चलता है. कार्यकर्ताओं को समझना चाहिए कि उनकी किस्मत में निस्वार्थ सेवा और नेता के भाग्य में पौष्टिक मेवा रहता है. हर दल में यही हाल है. नेता मलाई खाएगा तो थोड़ी सी खुरचन कार्यकर्ता के लिए भी छोड़ देगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

## निशानेबाज

# अन्ना हजारे हो जाएंगे हैरान लोकपाल ने मांगी गाड़ी

पड़ोसी ने हमसे कहा, समाजसेवी अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और लोकपाल की मांग से बने कांग्रेस विरोधी माहौल का पूरा-पूरा लाभ उठाते हुए 2014 में मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आई थी. अन्ना की सभाओं व आंदोलन के पीछे संघ कार्यकर्ताओं की पूरी ताकत थी.

हमने कहा, 11 साल पहले की बात अब क्यों याद कर रहे हैं? अन्ना ने भ्रष्टाचार का सफाया करने के लिए जनलोकपाल की मांग की थी. अनेक वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मोदी सरकार ने लोकपाल व उसके सदस्य नियुक्त कर दिए. अब आपको शिकायत करने का कोई हक नहीं है. अन्ना की आत्मा भी प्रसन्न हो गई होगी. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, कहां अन्ना हजारे की सादगी और कहां लोकपाल की फिजूलखर्ची वाली शान-शौकत! यह मत पूछिए कि लोकपाल की प्राथमिकता और कार्यकलाप क्या है? इस संस्था ने अब तक कौन सा तीर मारा? इसमें ऐसे सदस्य

नियुक्त किए गए हैं जो पूरी तरह सरकार के आज्ञाकारी हैं. उन्हें भ्रष्टाचार या रिश्वतखोरी मिटाने से कोई मतलब नहीं है. उन्हें सिर्फ अपनी विलासिता से लगाव है. हमने कहा, आप ऐसा क्यों कह रहे हैं. जिस तरह स्वीडन में ओमवुड्समैन रहता है वैसा ही भारत में लोकपाल का पद है. उससे निष्पक्षतापूर्ण न्याय देने की उम्मीद की जाती है. अभी लोकपाल संस्था के चेयरमैन अवकाशप्राप्त जज एएम खानविलकर हैं तथा 6 अन्य सदस्य हैं. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, बिना ग्लैमर या चमक-दमक का पद किस काम का? लोकपाल ने अपने लिए सफेद रंग की 7 बीएमडब्ल्यू लग्जरी गाड़ियों की खरीद के लिए टेंडर जारी किया है. बीएमडब्लू 330 एल आइ एम स्पोर्ट मॉडल और लॉन्ग व्हील बेस की इस प्रत्येक गाड़ी की कीमत दिल्ली में लगभग 70 लाख रुपए है.

हमने कहा, यह अन्ना हजारे का दुर्भाग्य है कि पहले उनके चेले केजरीवाल ने उन्हें धोखा दिया और अब जिस सादगीपूर्ण निष्पक्ष लोकपाल की उन्होंने कल्पना की थी, वह सरकारी खर्च से आलीशान बेशकीमती गाड़ियां खरीद रहा है. क्या वह कभी निष्पक्ष होकर किसी नेता या सरकारी फैसले के खिलाफ निर्णय दे पाएगा? एक गीत है- यहां हर चीज बिकती है, बोलोजी तुम क्या-क्या खरीदोगे?

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

### CROSS WORD 12059

- डॉ. सागर खादीवाला

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | | ■ | 3 | ■ | 4 |
| 5 | | ■ | ■ | 6 | | | |
| | ■ | 7 | 8 | | | ■ | |
| 9 | 10 | | | | ■ | 11 | |
| ■ | 12 | | ■ | ■ | | | ■ |
| 13 | | | ■ | 14 | | | 15 |
| 16 | | ■ | 17 | | ■ | 18 | |
| | ■ | 19 | | | | | ■ |

**बाएं से दाएं**

1. बाएं से दाएं

1. महाराष्ट्र की उपराजधानी, संतरा नगरी तथा इस शब्द पहेली के रचनाकार का गृहनगर 5. बाजी, दांव, किसी संधि या समझौते की अंगभूति प्रतिज्ञा (उर्दू) 6. खाट 7. रेडियो या दूरदर्शन से कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण, फैलाना 9. फिर से नया कर देना, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी हो उसे फिर से आगे के लिए वैध या नियमित करना 11. आभास, ज्ञान, प्रकाश 12. गीला, शीतल (उर्दू) 13. हिंदुओं के अठारह आख्यान जिनकी रचना वेद व्यास ने की थी, पुरातन (सं.) 14. दिक्कत, कठिनाई 16. संसार 17. दली हुई अरहर मूंग आदि 18. बोध, जानना 19. आवाजाई, आमदरफ्त

**ऊपर से नीचे**

1. नष्ट होने वाला, नश्वर 2. गड्डा, खड्ड, दरार (सं.) 3. सबब वजह 4. छल, कपट या अनाचार करने वाला, अधर्मी, अविश्वसनीय (उर्दू) 6. कीर्ति गायक, भाट, राजस्थान की एक जाति 7. अध्याय, प्रसंग (सं.) 8. तत्व, सत्त, तात्पर्य 10. जिसने सांसारिक सुखों या वस्तुओं के प्रति अनुराग या आसक्ति छोड़ दी हो, बुद्ध का एक नाम 11. वह विज्ञान जिसमें भाषा की उत्पत्ति विकास और रूप परिवर्तन आदि का विवेचन होता है 13. पूजा जाना, सम्मानित होना 14. पृथक, जुदा 15. शालि जिसमें से चावल निकलता है 17. किसी वस्तु पर अपना हक जतलाना, मुकदमा (उर्दू)

**Solution 12058**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सु | र | सा | ब | ■ | सं | ग | म |
| ती | ख | ■ | ध | ■ | ग | ज | क |
| ■ | ■ | क | व | चि | त | ■ | बू |
| मृ | ग | या | ■ | ■ | रा | व | ल |
| गी | ■ | म | ति | ■ | श | शी | ■ |
| ■ | उ | त | र | ना | ■ | क | र्म |
| क | ड़ा | ■ | प | र | मा | र | ■ |
| थ | का | व | ट | ■ | चा | ण | क्य |

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, सफलता मिलेगी, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक गतिविधियों का योग है, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, यात्रा होगी,वर्ष के अन्त में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, दिनचर्या में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी, उत्तरदायित्वों को संभालना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यापार में सफलता मिलेगी, यात्रा में कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में सुधार होगा, धार्मिक कार्यो में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी, अध्ययन में रूचि रहेगी.मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का मनोबल बना रहेगा.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सुन्दर, कुशल, दुबला, पतला, एवं लंबे कद का होगा, शिक्षा उत्तम रहेगी, लेखन, अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी, आय के एक से अधिक साधन रहेंगे, नौकरी में इनको अच्छी सफलता मिलेगी.

### उदयकालीन ग्रह चाल

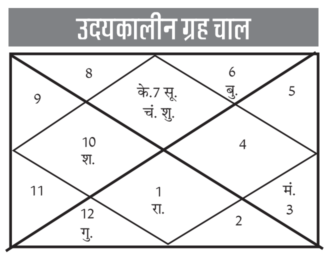


### पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल तृतीया भृगुवासरे रात 10/30, अनुराधा नक्षत्रे रातअंत 6/18, सौभाग्य योगे रातअंत 5/28, तैतिल करणे सू.उ. 6/22, सू.अ. 5/38, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8, 10, 11, 2, 3, 6 अ.रा. 9, 12, 1, 4, 5, 7 शुभांक- 0, 3, 7.

**मेष**- युवाओं को अध्ययन के लिये दूर जाना पड़ सकता है, निजी कार्यो को टालने से समस्या बढ़ेगी, किसी उत्सव में शामिल होने के अवसर मिलेगा.

**वृषभ**- साझेदारी में नई योजना की शुरूआत हो सकती है, प्रभावशाली लोगों, के संपर्क का लाभ मिलेगा, सुख साधनों की प्राप्ति होगी, मानसिक खुशी होगी.

**मिथुन**- पारिवारिक कलह से मन अशांत रहेगा, कारोबारी गठजोड़ लाभकारी हो सकता है, कार्यो में इच्छित सफ्लता मिलेगी,सामाजिक प्रतिष्ठा रहेगी.

**कर्क**- परिणय चर्चाओं में सफ्लता के आसार हैं, सोच समझकर नया कार्य हाथ में लें, नौकरी से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा, मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

**मीन**- एक से अधिक काम शुरू करने का मन बनेगा, रचनात्मक कार्यो में मौलिक सूझबूझ का लाभ मिलेगा, धार्मिककार्यो में यश मिलेगा.

**कन्या**- युवाओं को बेहतर विकल्प की तलाश रहेगी, पारिवारिक जबावदारी आ सकती है, वास्ते सतर्कता बांछनीय है, रूके कार्यो में गति आयेगी.

**तुला**- नये समझौते कारोबारी विस्तार में सहायक रहेंगे, नये मित्र बनेंगे, अनावश्यक विवाद को न बढ़ायें, किया गया प्रयास सफ्ल होगा.

**वृश्चिक**- जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें, परिश्रम अधिक, लाभ कम होगा, अज्ञात भय एवं चिन्ता दूर होगी, विरोधी पक्ष के कारण परेशानी होगी.

**धनु**- आप जिसे घाटे का सौदा समझ रहे हैं,उसमें अच्छा लाभ होगा, शिक्षा के क्षेत्र मेंउन्नति होगी, संतान की समस्या का सरलता से समाधान होगा.

**मकर**- निजी संबंधों में चल रहा विवाद आपसी बातचीत से सुलझने का योग है, माता पिता के सहयोग से कार्यो में मदद मिलेगी, यश सम्मान मिलेगा.

**कुम्भ**- वैवाहिक चर्चाओं में सफ्लता मिल सकती है, आकस्मिक धन लाभ होगा, पारिवारिक कार्यो में सफ्लता मिलेगी, जहां तक बने यात्रा न करें.

**मीन**- मित्रों से कहासुनी का मलाल रहेगा, कार्यस्थल पर व्यवस्था सुधारने परिश्रम करना पड़ेगा, पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा, मान सम्मान प्राप्त होगा.

### व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल तृतीया को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, रूई, कपास, सरसों, सूरजमुखी, मूँगफ्ली के भाव में मंदी होगी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, अजवाईन, जावित्री के भाव में तेजी होगी, वायदा विचार आज 12 बजकर 13 मिनिट से 10 सेकेण्ड के रूख पर व्यापार करना लाभकारी होगा, भाग्यांक 7278 है.

### SUDOKU 7191

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 1 | | | | 2 | 5 | |
| 2 | | | | | | | | 9 |
| 5 | | | 1 | | 7 | 4 | | |
| 9 | 5 | | | 4 | | | 2 | |
| | | 3 | 9 | | 6 | 7 | | |
| | 7 | | | 8 | | | 1 | 5 |
| | | 7 | 2 | | 5 | | | 1 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| | 1 | 5 | | | | 6 | 9 | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**नवभारत सू-दोकू 7190**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 |
| 8 | 7 | 3 | 1 | 4 | 5 | 2 | 9 | 6 |
| 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 9 | 3 | 5 | 4 |
| 1 | 6 | 7 | 9 | 8 | 2 | 4 | 3 | 5 |
| 3 | 8 | 5 | 4 | 1 | 7 | 6 | 2 | 9 |
| 2 | 4 | 9 | 6 | 5 | 3 | 7 | 1 | 8 |
| 7 | 5 | 6 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 |
| 4 | 2 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 3 |
| 9 | 3 | 8 | 7 | 2 | 4 | 5 | 6 | 1 |